शारदा चालीसा

॥ दोहा ॥

मूर्ति स्वयंभू शारदा,

मैहर आन विराज।

माला, पुस्तक, धारिणी,

वीणा कर में साज॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

॥ चौपाई ॥

जय जय जय शारदा महारानी,

आदि शक्ति तुम जग कल्याणी।

रूप चतुर्भुज तुम्हरो माता,

तीन लोक महं तुम विख्याता।

दो सहस्त्र बर्षहि अनुमाना,

प्रगट भई शारद जग जाना।

मैहर नगर विश्व विख्याता,

जहां बैठी शारद जग माता।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

त्रिकूट पर्वत शारदा वासा,

मैहर नगरी परम प्रकाशा।

शरद इन्दु सम बदन तुम्हारो,

रूप चतुर्भुज अतिशय प्यारो।

कोटि सूर्य सम तन द्युति पावन,

राज हंस तुम्हारो शचि वाहन।

कानन कुण्डल लोल सुहावहि,

उरमणि भाल अनूप दिखावहिं।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

वीणा पुस्तक अभय धारिणी,

जगत्मातु तुम जग विहारिणी।

ब्रह्म सुता अखंड अनूपा,

शारद गुण गावत सुरभूपा।

हरिहर करहिं शारदा बन्दन,

वरुण कुबेर करहिं अभिनन्दन।

शारद रूप चण्डी अवतारा,

चण्ड मुण्ड असुरन सहारा।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

पहिषासुर बध कीन्हि भवानी,

दुर्गा बन शारद कल्याणी।

धरा रूप शारद भई चण्डी,

रक्तबीज काटा रण मुण्डी।

तुलसी सूर्य आदि विद्वाना,

शारद सुयश सदैव बखाना।

कालिदास भए अति विख्याता,

तुम्हारी दया शारदा माता।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

वाल्मीक नारद मुनि देवा,

पुनि-पुनि करहिं शारदा सेवा।

चरण-शरण देवहु जग माया,

सब जग व्यापहिं शारद माया।

अणु-परमाणु शारदा वासा,

परम शक्तिमय परम प्रकाशा।

हे शारद तुम ब्रह्म स्वरूपा,

शिव विरंचि पूजहिं नर भूपा।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

ब्रह्म शक्ति नहिं एकउ भेदा,

शारद के गुण गावहिं वेदा।

जय जग बन्दनि विश्व स्वरूपा,

निर्गुण-सगुण शारदहिं रूपा।

सुमिरहु शारद नाम अखंडा,

व्यापइ नहिं कलिकाल प्रचण्डा।

सूर्य चन्द्र नभ मण्डल तारे,

शारद कृपा चमकते सारे।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

उद्धव स्थिति प्रलय कारिणी,

बन्दउ शारद जगत तारिणी।

दुःख दरिद्र सब जाहिं नसाई,

तुम्हारी कृपा शारदा माई।

परम पुनीति जगत अधारा,

मातु शारदा ज्ञान तुम्हारा।

विद्या बुद्धि मिलहिं सुखदानी,

जय जय जय शारदा भवानी।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

शारदे पूजन जो जन करहीं,

निश्चय ते भव सागर तरहीं।

शारद कृपा मिलहिं शुचि ज्ञाना,

होई सकल विधि अति कल्याणा।

जग के विषय महा दुःख दाई,

भजहुँ शारदा अति सुख पाई।

परम प्रकाश शारदा तोरा,

दिव्य किरण देवहुँ मम ओरा।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

परमानन्द मगन मन होई,

मातु शारदा सुमिरई जोई।

चित्त शान्त होवहिं जप ध्याना,

भजहुँ शारदा होवहिं ज्ञाना।

रचना रचित शारदा केरी,

पाठ करहिं भव छटई फेरी।

सत् सत् नमन पढ़ीहे धरिध्याना,

शारद मातु करहिं कल्याणा।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

शारद महिमा को जग जाना,

नेति-नेति कह वेद बखाना।

सत्-सत् नमन शारदा तोरा,

कृपा दृष्टि कीजै मम ओरा।

जो जन सेवा करहिं तुम्हारी,

तिन कहँ कतहुँ नाहि दुःखभारी।

जो यह पाठ करै चालीसा,

मातु शारदा देहुँ आशीषा।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

॥ दोहा ॥

बन्दउँ शारद चरण रज,

भक्ति ज्ञान मोहि देहुँ।

सकल अविद्या दूर कर,

सदा बसहु उरगेहुँ॥

जय-जय माई शारदा,

मैहर तेरौ धाम।

शरण मातु मोहिं लीजिए,

तोहि भजहुँ निष्काम॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

अन्य चालीसा पढ़े

- हनुमान चालीसा
- शिव चालीसा
- दुर्गा चालीसा
- शनि चालीसा
- गणेश चालीसा
- लक्ष्मी चालीसा
- राम चालीसा
- विष्णु चालीसा
- गायत्री चालीसा
- काली चालीसा
- भैरव चालीसा
- सरस्वती चालीसा
- कृष्ण चालीसा
- सूर्य चालीसा
- महावीर चालीसा
- साईं चालीसा
- महाकाली चालीसा
- तुलसी चालीसा
- बगलामुखी चालीसा
- गोरख चालीसा
- गोपाल चालीसा
- नवग्रह चालीसा
- रविदास चालीसा
- बाला जी चालीसा
- महालक्ष्मी चालीसा
- पार्वती चालीसा

- खाटू श्याम चालीसा
- रामदेव चालीसा
- राधा चालीसा
- विश्वकर्मा चालीसा
- पितर चालीसा
- बटुक भैरव चालीसा
- जाहरवीर चालीसा
- गिरिराज चालीसा
- नर्मदा चालीसा
- प्रेतराज चालीसा
- संतोषी चालीसा
- गंगा चालीसा
- शारदा चालीसा
- ललिता चालीसा
- अन्नपूर्णा चालीसा
- श्री वैष्णो चालीसा
- परशुराम चालीसा
- विन्ध्येश्वरी चालीसा
- ब्रह्मा चालीसा
- शाकम्भरी चालीसा
- राणी सती चालीसा
- गंगाराम चालीसा
- बालक नाथ चालीसा
- मोहन राम चालीसा
- शीतला चालीसा